(d) the action proposed to be taken by the Union Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): (a) The data reporting system of the Reserve Bank of India (RBI) does not generate information in the manner asked for. However, according to the latest available data furnished by RBI as on the last Friday of March 1992 and 1993, the number of small scale industrial (SSI) units and outstanding credit of scheduled commercial banks in the State of Karnataka was as under:

(Rs. in crores)

Last Friday of March	No. of Accounts	Amount Outstanding
1992	1,71,130	1176.3
1993	1,41,453	1350.2

(b) to (d) RBI has issued instructions to all scheduled commercial banks that applications upto a credit limit of Rs. 25,000/- should be disposed of within a fortnight and those for over Rs. 25,000/- within 8-9 weeks from the date of receipt of application. Banks have also been advised that requests for increase in credit limits should be considered expeditiously and decision taken promptly and in any case within six weeks.

Electronic application in jute sector

*29. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal for introduction of electronic application in the Jutt Sector;

(b) if so, the details thereof and what would be its financial implication; and

(c) the amount of Central assistance proposed to be sanctioned by the Central Government for the purpose?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) to (c) Under the UNDP assisted Jute Programme a project has been approved on development and application of electronic control and instrumentation system for jute industry. Government of India and the UNDP contribution of Rs. 2 crore and US $ 0.6 million respectively have been approved as outlay for this project.

ताप और पन-बिजली उत्पादन

*30. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पन-बिजली उत्पादन की तुलना में ताप बिजली उत्पादन में वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) छठी और सातवीं पंचवर्षीय योजनाओं के अन्त में ताप बिजली और पन-बिजली उत्पादन की प्रतिशतता कितनी-कितनी थी और आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक ताप बिजली और पन-बिजली का कितना-कितना उत्पादन होने का अनुमान है; और

(घ) पन-बिजली उत्पादन में वृद्धि करने हेतु क्या उपाय किए जाने का विचार है ?

विद्युत मंत्री (श्री एन० के० पी० साल्वे) : (क) जी, हां ।

(ख) जल विद्युत क्षमता की तुलना में और ताप विद्युत क्षमता जोड़ जाने के मुख्य कारण निम्नवत् हैं :—

(1) अधिक क्षमता इकाइयों सहित पिट-हैड पर बड़े सुपर ताप विद्युत केन्द्रों की स्थापना करना,

(2) जल विद्युत परियोजनाओं की तुलना में ताप विद्युत के मामले में कम निर्माणाधीन अवधि,

(3) ताप विद्युत केन्द्रों के मामले में पर्यावरणीय मुद्दों भूमि अधिग्रहण तथा पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना से संबंधित कम समस्याएं,

(4) जल विद्युत परियोजनाओं के लिए जल की भागीदारी से संबंधित अन्तःराज्यीय विवाद ।

(ग) छठी, सातवीं पंचवर्षीय योजना, दो वार्षिक योजनाओं के अंतिम वर्षों, आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम दो वर्षों के अंत में और आठवीं योजना के अन्त में पक्षेपित अधिष्ठापित क्षमता के संदर्भ में ताप एवं जल विद्युत उत्पादन क्षमता विवरण में दी गई है । **(नीचे देखिये)**

(घ) इस संबंध मे किए जा रहे उपायों में ये शामिल है, केन्द्रीय/संयुक्त क्षेत्र के निगमों जैस एन०एच०पी०सी० नीपको, एन०जे०पी०सी० तथा टी०एस० डी०सी० की स्थापना, विदेशी सहायता यथा, विश्व बैंक, ओ०ई०सी०एफ० और द्विपक्षीय समझौतों के माध्यम से जल विद्युत परियोजनाओं हेतु निधियां जुटाना, जल विद्युत परियोजनाओं का एक शेल्फ तैयार करना तथा जल विद्युत परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन प्रदान करना, जिसके संबंध मे जनवरी, 1995 में संशोधित टैरिफ अधिसूचना जारी की गई है ।

विवरण

ताप एवं जल विद्युत की अधिष्ठापित क्षमता

(मे० वा० मे)

योजना/वर्ष	ताप विद्युत		जल विद्युत	
	मे० वा०	जोड़ का प्रतिशत	मे० वा०	जोड़ का प्रतिशत
1	2	3	4	5
8वीं योजना (31.3.85 की स्थिति के अनुसार) . .	27030	63	14460	34
7वीं योजना (3.3.90 की स्थिति के अनुसार) . .	43763	69	18308	29
वार्षिक योजना (1990–91) (31.3.91 की स्थिति के अनुसार) . . .	45765	69	18753	28
वार्षिक योजना (1991–92) (31.3.92 की स्थिति के अनुसार) . . .	48086	69.6	19194	27.8

1	2	3	4	5
8वीं योजना (31.3.93 की स्थिति के अनुसार) . .	50745	70	19569	27
(31.3.94 की स्थिति के अनुसार)	54347	70.8	20366	26.6
8वीं योजना के अंतिम वर्ष में 20729.7 मे०वा० की सम्भावित क्षमता अभिवृद्धि समेत (31.3.97) की स्थिति के अनुसार) . . .	63714	71.3	22993	25.7

अलीगढ़ में आकाशवाणी केन्द्र

***31. मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने प्रारंभ में अलीगढ़ में एक रेडियो स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव किस वर्ष किया था ;

(ख) इस मामले में अब तक क्या प्रगति हुई है ; और

(ग) इस संबंध में देरी के क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) अलीगढ़ में एक रेडियो स्टेशन स्थापित करने से संबंधित प्रस्ताव 1985 में शुरू किया गया था।

(ख) और (ग) 1994 में सिविल निर्माण कार्य सौंपा जा चुका है और निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस संबंध में हुई देरी का मुख्य कारण स्थल के अधिग्रहण में लिया गया अधिक समय और बाद में इस संबंध में हुई मुकदमेबाजी है।

Direct link between Calcutta and Agartala

*32. SHRI SUDHIR RANJAN MAJUMDAR: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Tripura has only the Indian Airlines as the direct link between Calcutta and Agartala;

(b) if so, whether it is a fact that the further hike in air fare has put the people of this poor State into further hardship and raised the prices of commodities;

(c) whether Government have given any though to this problem of increased hardship for the landlocked people of the State who do not have any dependable surface communication link;

(d) whether Government will consider giving some relief to the people of the State to the extent that the fresh hike will not be effective for Tripura; and

(e) whether Hon'ble Minister has ever visited Agartala to know the reality of the problem of transport in that State?